

Recd —



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

खण्ड 35] शिमला, शनिवार, 4 जुलाई, 1987/13 आषाढ़, 1909 [संख्या 27

विषय-सूची

भाग 1	वैधानिक नियमों को उद्घटित कर हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल और हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट द्वारा अधिसूचनाएं इत्यादि	508—510 नया
भाग 2	वैधानिक नियमों को उद्घटित कर विभिन्न विभागों के प्रमुखों और जिना मैजिस्ट्रेटों द्वारा अधिसूचनाएं इत्यादि	516—517 511
भाग 3	प्रधिनियम, विधेयक और विधेयकों पर प्रवर समिति के प्रतिवेदन, वैधानिक नियम तथा हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट, फाइनेंसियल कमिश्नर तथा कमिश्नर आफ इन्कम-टैक्स द्वारा अधिसूचित आदेश इत्यादि	511—512
भाग 4	स्थानीय स्वायत्त शासन अधिनियम बोर्ड, डिस्ट्रिक्ट बोर्ड, नोटिफाइड और टाउन एरिया तथा पंचायती राज विभाग	512
भाग 5	वैयक्तिक अधिसूचनाएं और विज्ञापन	513—516
भाग 6	भारतीय राजपत्र इत्यादि में सूचना प्रकाशन	—
भाग 7	भारतीय निर्वाचन आयोग (Election Commission of India) की वैधानिक अधिसूचनाएं तथा अन्य निर्वाचन सम्बन्धी अधिसूचनाएं	—

धनपुरक
4 जुलाई, 1987/13 आषाढ़, 1909 का समापन होने वाले सप्ताह में निम्नलिखित विज्ञापनों 'समाधारण राजपत्र, हिमाचल प्रदेश' में प्रकाशित हुई :-

विज्ञापन की संख्या	विभाग का नाम	विषय
No. FDS (Bricks) 86/87 dated 1st May, 1987	Food and Supplies Department	Fixing the rates (inclusive of royalty but exclusive of sales-tax) of categorised burnt bricks manufactured by brick kiln owners of Bilaspur district.
No. FDS. MND (A)(3)-48 81-V-6768-6828, dated 19th June, 1987	Office of the District Magistrate, Mandi district, Mandi	Fixing the maximum retail sale price of certain food articles within whole of the Mandi district for a period of one month.
—	Directorate of State Lotteries	Result of 36th Draw of "Himachal Weekly Lottery" held at Shimla on 4-6-1987.
—	-do-	Result of 55th Draw of "Super Himalayan Weekly" held at Shimla on 9-6-1987.
—	-do-	Result of 32nd Draw of "Golden Super Instant Fortnightly Draw" held at Shimla on 12-6-1987.

भाग 1—स्थानिक नियमों को छोड़ कर हिमाचल प्रदेश के राज्यालय और हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट द्वारा अधिनियमों द्वारा हिमाचल प्रदेश उच्च-न्यायालय

NOTIFICATION

Shimla-1, the 20th June, 1987

No. HHC/GAZ 14-58/75-VII-7394. It is hereby notified for information of the members of Himachal Pradesh Judicial Service that the 15th Departmental Examination under rule 4 of the Himachal Pradesh, Judicial Service Rules, 1973 will be held at 'Revenswood' Shimla-1 on the following dates:—

Date	Paper/Subjects	Time
August 21, 1987 (Friday).	Civil Law	10.00 A.M. to 1.00 P.M.
	Criminal Law	2.00 P.M. to 5.00 P.M.
August 22, 1987 (Saturday).	Revenue-I	10.00 A.M. to 1.00 P.M.
	Revenue-II	2.00 P.M. to 5.00 P.M.
August 23, 1987 (Sunday).	Constitutional Law.	10.00 A.M. to 1.00 P.M.
	Accounts.	2.00 P.M. to 5.00 P.M.

By order
R. L. KHURANA,
Registrar.

हिमाचल प्रदेश सरकार

राज्यीय परियोजना एवं विद्युत विभाग

अधिसूचनाएं

गिमला-2, 8 जून, 1987

संख्या विद्युत-छ (5)-90/86.—यतः राज्यालय, हिमाचल प्रदेश का यह प्रतीत होता है कि व्याम निर्माण बोर्ड, जो कि भूमि प्रजन अधिनियम, 1894 (1894 का पहला अधिनियम) की धारा 3 के खण्ड (सी0सी0) के अधिनियम सरकार के स्वायत्त और नियन्त्रण के अधीन एक नियम है, के द्वारा अपने व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन नामतः व्याम परियोजना के लिए मीठा पंचेन, H0B0N0 24, तहसील सदर, जिला बिलासपुर में व्याम निर्माण बोर्ड (पावर विंग) डेहरा-भिवानी लाईन के टावर संख्या 55 के निर्माण के लिए भूमि की जमीन प्रत्यावश्यक है। अतएव एतद्वारा यह घोषित किया जाता है कि निम्नलिखित विस्तृत विवरणों में वर्णित भूमि उपरोक्त प्रयोजन के लिए अधिष्ठित है।

2. भूमि प्रजन अधिनियम, 1894 की धारा 6 के उपबन्धों के अधीन सभी सम्बन्धित शक्तियों के लिए यह घोषणा की जाती है और उक्त अधिनियम की धारा 7 के उपबन्धों के अधीन भूमि प्रजन समाहर्ता, व्याम-सतलुज लिंक परियोजना मण्डी, हिमाचल प्रदेश के एतद्वारा उक्त भूमि के प्रजन के लिए आदेश देने का निर्देश दिया जाता है।

3. इस के प्रतिरक्त उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश के राज्यालय, यह निर्देश देते हैं कि प्रत्यावश्यक मामला होने के कारण, भूमि प्रजन समाहर्ता, व्याम-सतलुज लिंक परियोजना, मण्डी, हिमाचल प्रदेश उक्त अधिनियम की धारा 9 की उप-धारा (1) के अधीन सूचना के प्रकाशन में 15 दिन की अवधि समाप्त होने पर पंचाट देने में पूर्व भूमि का कब्जा ले सकता है।

4. भूमि का रेकार्ड, भूमि प्रजन समाहर्ता, व्याम-सतलुज लिंक परियोजना, मण्डी, हिमाचल प्रदेश के कार्यालय में निरोक्षण किया जा सकता है।

विवरणी

जिला : बिलासपुर		तहसील : सदर	
ग्राम	खमरा नं०	क्षेत्र बी० बि०	टावर संख्या
पंचेन H०B०N०	41/1	0 7	55
किता . . .	1	0 7	

यतः राज्यालय, हिमाचल प्रदेश को यह प्रतीत होता है कि व्याम निर्माण बोर्ड, जो कि भूमि प्रजन अधिनियम, 1894 (1894 का पहला अधिनियम) की धारा 3 के खण्ड (सी0सी0) के अधिनियम सरकार के स्वायत्त और नियन्त्रण के अधीन एक नियम है, के द्वारा अपने व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन नामतः भूमि की जमीन प्रत्यावश्यक अधिष्ठित है। अतएव एतद्वारा यह घोषित किया जाता है कि निम्नलिखित विस्तृत विवरणों में वर्णित भूमि इस प्रयोजन के लिए अधिष्ठित है।

2. भूमि प्रजन अधिनियम, 1894 की धारा 6 के उपबन्धों के अधीन सभी सम्बन्धित शक्तियों के लिए यह घोषणा की जाती है और उक्त अधिनियम की धारा 7 के उपबन्धों के अधीन भूमि प्रजन समाहर्ता, व्याम-सतलुज लिंक परियोजना, मण्डी, हिमाचल प्रदेश एतद्वारा उक्त भूमि के प्रजन के लिए आदेश देने का निर्देश दिया जाता है।

3. इस के प्रतिरक्त उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश के राज्यालय यह निर्देश देते हैं कि प्रत्यावश्यक मामला होने के कारण, भूमि प्रजन समाहर्ता, व्याम-सतलुज लिंक परियोजना, मण्डी, हिमाचल प्रदेश उक्त अधिनियम की धारा 9 की उप-धारा (1) के अधीन सूचना के प्रकाशन में 15 दिन की अवधि समाप्त होने पर पंचाट देने में पूर्व भूमि का कब्जा ले सकता है।

4. भूमि का रेकार्ड, भूमि प्रजन समाहर्ता, व्याम-सतलुज लिंक परियोजना, मण्डी, हिमाचल प्रदेश के कार्यालय में निरोक्षण किया जा सकता है।

*व्याम निर्माण बोर्ड (पावर विंग) डेहरा-भिवानी लाईन के टावर संख्या 52-54 के निर्माण हेतु।

संख्या विद्युत-छ(5)-88/86.

गिमला-2, 8 जून, 1

विवरणी

जिला : बिलासपुर तहसील : सदर

माहान	खमरा नं०	खेत्र (बी० बि०)	टावर संख्या
1	2	3 4	5
जुआला	29/1	0 7	
	3/1	0 7	
	73/1	0 4	
	80/1	0 4	

किता 4 1 2

*व्याम निर्माण बोर्ड (पावर विंग) 400 के 0 बी० डेहरा-भिवानी लाईन के टावर संख्या 48, 49, 51 के निर्माण हेतु।

संख्या विद्युत-छ(5)-86/86.

गिमला-2, 8 जून, 16

बटाहली	खमरा नं०	खेत्र	टावर संख्या
	76/1	0 6	
	55/1	0 5	
	56/1	0 5	49
	159/24/1	0 6	51

किता 4 1 2

*व्याम निर्माण बोर्ड (पावर विंग) डेहरा-भिवानी लाईन के टावर संख्या 22-23 के निर्माण हेतु।

संख्या विद्युत-छ(5)84/86.

गार-टटोह 716 0 3 22-23
H0B0N0 112.

गिमला-2, 8 जून, 1987.

*व्याम निर्माण बोर्ड (पावर बिग) ईहर-भिवानी लाईन के टावर संख्या 58 व 60 के निर्माण हेतु।

संख्या विद्युत-छ (5)-89/86.

शिमला-2, 11 जून, 1987.

1	2	3	4	5
कोटरी	75/1	0	7	58
हो बोनो 33.	61/1	0	8	60

किता .. 2 0 15

*व्याम निर्माण बोर्ड (पावर बिग) ईहर-भिवानी लाईन के टावर संख्या 10 के निर्माण हेतु।

संख्या विद्युत-छ (5)-85/86.

शिमला-2, 11 जून, 1987.

धौन कांठी	261/1	0	13	10
-----------	-------	---	----	----

*व्याम निर्माण बोर्ड (पावर बिग) ईहर-भिवानी लाईन के टावर संख्या 71, 72 के निर्माण हेतु।

संख्या विद्युत-छ (5)-93/86.

शिमला-2, 11 जून, 1987.

सैकनी	321/5/1	0	5	71
	324/1	0	2	72
	237/1	0	1	
	238/1	0	8	

किता .. 4 0 16

*संघ निर्माण बोर्ड (पावर बिग) ईहर-भिवानी लाईन के टावर संख्या 56, 57 के निर्माण हेतु।

संख्या विद्युत-छ (5)-87/86.

शिमला-2, 11 जून, 1987.

बलवाड़	41/1	0	8	56
हो बोनो 38.	85/1	0	8	57

किता .. 2 0 16

यतः राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत परिषद, जोकि भूमि अर्जन अधिनियम, 1894 (1894 का पहला अधिनियम) की धारा 3 के तहत (सो 0 सो 0) के अधिनियम सरकार के स्वामित्व और नियन्त्रण के अधीन एक निगम है, के द्वारा अपने श्रम पर सार्वजनिक प्रयोजन नामतः* हेतु भूमि अर्जन करना आवश्यक प्रोत्साहित है। प्रत्यक्ष एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त परिशेष में जैसा कि नीचे विवरणों में निविष्ट किया गया है उर्रोस्त* प्रयोजन के लिए भूमि का अर्जन प्रोत्साहित है।

2. यह अधिसूचना ऐम सभी व्यक्तियों का, जो इनसे सम्बन्धित हो जाते हैं, की जानकारी के लिए भूमि अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा 4 के उपबन्धों के अन्तर्गत जारी की जाती है।

3. पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश, इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी अधिकारियों, उनके कर्मचारियों और अधिकारियों को इनके की किसी भी भूमि में प्रवेश करने और सर्वेक्षण करने और उक्त धारा द्वारा प्रोत्साहित प्रथम अन्तर्गत सभी अन्य कार्यों को करने के लिए सहर्ष अधिकार देते हैं।

4. अत्याधिक आवश्यकता को दृष्टि में रखते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप-धारा (4) के अधीन यह भी निर्देश देते हैं कि उक्त अधिनियम की धारा 5-ए के उपबन्ध इस मामले में लागू नहीं होंगे।

*जिला मिरमौर में खोदरी में साजरी तक 220 के 0 की 0 मंचाण लाईन के निर्माण हेतु

संख्या विद्युत-छ (5) 6/87.

शिमला-2, 5 जून, 1987.

विवरण

जिला: मिरमौर

नहमीन: पावटा माहिन

मोजा	समरा नं०	खेत	खोवा	बिन्वा
1	2	3	4	

काहनु वाला	18/1	0	2	
	211/149/97/28/1	0	2	
	161/86/1	0	2	
	185/44/1	0	1	
	187/45/1	0	1	
	203/64/1	0	2	

प्रकानगढ़	232/62/2/1	0	4	
	78/1	0	2	
	30/1	0	4	
	206/23/1	0	2	

हरिपुर राहना	78/1	0	2	
	223/160/1	0	5	
	148/1	0	2	
	198/131/1	0	4	
	109/1	0	2	
मुन्गारनी	82/1	0	4	
	363/205/112/1	0	4	
	219/6/1	0	2	

धमर कांड	64/1	0	1	
	65/1	0	2	

गोदपुर	83/2/1	0	3	
	84/1	0	1	
	71/1	0	2	
	46/1	0	2	
	136/109/42/1	0	2	
	15/1	0	4	
	3/1	0	4	

धर्मकांड	53/1	0	2	
	123/43/1	0	2	

बाय कुवा	203/145/4/1	0	4	
	20/1	0	5	

गमुवाला	313/1	0	2	
नामनी वाला	302/1	0	1	
	301/1	0	2	
	257/1	0	2	

प्रजीव वाला	11/1	0	4	
-------------	------	---	---	--

कुण्डियों	128/1	0	2	
	171/111/1	0	2	
	104/1	0	2	
	103/1	0	4	
	135/3/1	0	2	

टोका नगला	116/1	0	4	
	118/1	0	2	
	83/2/1	0	2	
	90/1	0	2	

जोड़ कुल किता .. 45 5 14

*खोदरी से माजरी तक 220 के० वी० संवर्धन लाइन के निर्माण हेतु

महाराष्ट्र विधान-सभा (५)-५/४७

शिमला-171002, ४ जून, 19८7

1	2	3	4
बाइरो माइरो	34/1 15/1 5/1	0 0 0	5 2 4
गोडर ग्रैन (गोडर)	150/90/1 151/90/1 81/1 165/82/1 163/74/1 161/66/1 68/1 145/59/1 43/2/1 113/113/1	0 0 0 0 0 0 0 0 0 0	2 2 1 1 4 2 2 4 3 4
(ग्रैन)	141/109/1 141/109/2 105/99/1	0 0 0	2 2 5
भगानी (मेहबखानी)	708/1 714/1 565/1	0 0 0	4 2 2
(भगानी)	533/1 516/1 1517/480/1 829/1	0 0 0 0	2 4 2 2
(मिधपुरा)	357/1 316/1 1125/323/1 268/1 282/1 1661/1483/1193/1 1563/18/1 1562/18/1 310/1 311/1 322/1	0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0	2 2 4 1 1 4 2 1 1 3 4
दुपला	184/27/6/1 104/40/1	0 0	5 5
बागरल	239/188/1 162/1 164/1	0 0 0	5 1 4
कुल विला	41	5	11

आदेश द्वारा,
कैलाश चन्द महाजन,
सचिव ।

शिक्षा विभाग

अधिगुणना

जियन्ता-२, १९ मई, १९८७

म ० क (१)-२/८५-जिशा-ग.—यतः राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन नामतः गांव कल्याण, तहसील जम्मल, जिला गिरवासी में राजस्वीय भूदा विद्यालय सम्बन्धी नगर की स्थापना हेतु भूमि अर्जित करना अपेक्षित है, अतएव एतद्वारा यह अधिसूचना किया

जाना है कि उस परिशेष में जैसा कि निम्न विवरणी में निर्दिष्ट किया गया है, उपयोग प्रयोजन के लिए भूमि का धर्जन संश्लेष है।

2. यह धर्मसूचना ऐसे सभी शक्तियों को, जो इसमें सम्बन्धित हैं या हो सकते हैं, की जानकारी के लिए धर्म प्रजनन अधिनियम, 1894 की धारा 4 के उपबन्धों के अन्तर्गत जारी की जाती है।

3. पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, इस समय इस उपकम में कार्यरत सभी अधिकारियों, उनके कार्यभारियों और अधिकारियों को हत्या की किसी भी शक्ति से प्रवेश करने और संबंधित करने और उस धारा द्वारा धोखाधड़ी प्रथा से निवृत्त और सभी कार्यों को करने के लिए महत्व प्राप्त कर देते हैं।

4 कोर्ट भी ऐसा हिंसा प्रवृत्ति, जिसे उक्त परिशेष में कथित भूमि को अर्जन करने पर कोई धारणा हो। वह इस धार्मिकता के प्रशासन होने के 30 दिनों की अवधि के भीतर निर्दिष्ट रूप से भू अर्जन समझौता उप-महान्यायिका (निधिल) से सह-उप-महान्यायिका, जिला निधिल के प्रत्यक्ष अन्तर्गत प्रेषित होना चाहिए।

विष्णुन विवरण

जिवा शिमला तहसील : अ.ब.ल

ग्राह	समस्त नं०	शेख	बिग्या
1	2	3	4
कपाय	400/1	0	03
	3335/416	0	04
	4188/403	1	15
	422	0	12
	424	1	14
	427	0	13
	4187/403	0	04
	425	1	03
	404	1	03
	424	1	03
	427	0	07
	401	1	17
	402	1	14
	421	0	10
	426	6	05
	409	0	12
	410	0	16
	412	1	09
	413	1	02
	420	0	07
	429	0	13
	431	1	09
	411	1	08
	414	3	03
	415	0	07
	4393/419	0	07
	4395/423	1	02
	4397/428	0	14
	4399/432	1	08
	4336/428	0	13
	405	2	15
	408	2	19
	4304/419	0	13
	4396/423	0	17
	4400/432	2	06
	418	0	03
	4398/428	1	06
	430	1	12
	4522/4377/384	0	10

ফিলা	39	48	00
------	----	----	----

भावेण हाग,
असह मिह,
विज्ञापक ।

भाग 2—बैधानिक नियमों को छोड़ कर विभिन्न विभागों के अध्यक्षों और जिला मैजिस्ट्रेटों द्वारा प्राथमिकताएं इत्यादि

कार्यालय उप-पंजीयक महत्कारी समायें (केन्द्रीय)

मण्डल मन्त्री हि० प्र०

कार्यालय भाषा

मण्डी, 12 जन, 1987

संख्या ड० ३० के ४-१४०-१०६९-७५.—वर्षांक की सूचनानुसार तहसील सहायरी विधानसभा उपसभाका संघ सीनियर सूचनानुसार इस कार्यालय के आदेश क्रमांक संख्या २५१-२५९, दिनांक ४-४-१९८० के अनुसार उन संघ की विनयी हुई धारिका वहां की देखने हुये दिनांक २६/०३/८० सहायरी धारिकान संघ की धारा ७८ के प्रथम बिन्दु के अनुसार वहाँ; और बाद धारिका ७८ दशा में सुधार में प्रवर्तन न जान के कारण पुनः इस का बिन्दुन कार्यकाल इस कार्यालय के आदेश क्रमांक ३० के ३० के ४-१४०-११३८-४०, दिनांक १४ प्रान्त, १९८५ के द्वारा जो वर्ष की प्रथम कलियारी रक्ते का आदेश दिया गया था जिस

की घब घुन-विषटक को डारा भेरी गई रिपार्ट का प्रकाशन करने पर पाया गया कि समाज को दिवंगत कार्य को पूर्ण करने तथा बैंक की अणु की प्रदायगी जा वसूलीयों पर निर्भर कर रही है, में कुछ प्रीर समय लगने की सम्भावना है।

अन. मै. टी० टी० टाकर, उप-राष्ट्रीय महकारी मन्त्रालय (केंद्रिय)
मन्त्रालय मन्त्री, हि० प्र० महकारी विभाग, 1971 के बजट 117 के
प्रस्तावत निहित शक्तियों का प्रयोग करने हेतु बी. ग्रेड तथा नवीनीकृत
महकारी विभाग तथा उपमंडलों में के विद्यमान की प्रवृत्ति को
31-12-1987 तक बढ़ाने का आशय देना है तथा यह भी घोषणा
किया है कि विषयक इस मंत्रालय की भी पुनर्विचार करने हेतु भी प्रोत्साहित
करना उपर्युक्त है।

टी० टी० काकु, उप-राज्यक महकाशी गभाये (केन्द्रीय), मण्डल मण्डी, दि० प्र०।

भाग 3—अधिनियम, विधायक और विधेयकों पर प्रवर समिति के प्रतिवेदन, वैधानिक नियम तथा हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट, कानूनेशियाल कामिशनर तथा कामिशनर आफ इन्कम टैक्स द्वारा प्रशिक्षित प्रादेश इत्यादि

सहकारिता विभाग

अधिम बोना

शिमला-2, 20 मई, 1987

शंभया कोप ० ड (11) 21/74-IV.— हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश कोमांडरिन्ट सामाईटीज एंड, 1968 (1969 का 3) की धारा 109 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश कोमांडरिन्ट सामाईटीज एंड, 1971 में निम्नलिखित समाधान करने का प्रस्ताव करते हैं प्रौर ये उक्त अधिनियम की धारा 109 की उप-धारा (1) के अधीन यथा अवशेषित जन-साधारण एवं उन सभी व्यक्तियों की जागरूकता के लिए प्रकाशित किये जाते हैं जिन को उन से प्रभावित होने का सामनाहाना है । इसके द्वारा सनाई दी जाती है कि उक्त संगठन प्राप्त पर इस अधिनियम का राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित कि। अपने की तारीख से तीस दिन की प्रकथि की समाप्ति पर मध्यक रूप में विचार किया जायेगा ।

प्राथम्य/सुभाष यदि कोई हों, सचिव (सहकारिता), हिमाचल प्रदेश सरकार को भेजे जा सकते हैं। इस प्रकार विनिर्दिष्ट प्रबंधी की मर्यादा से पूर्व, उक्त समीक्षण प्रारूप की बाबत जो भी प्राथम्य/सुभाष किसी व्यक्ति में प्राप्त होये, राज्य सरकार प्रारूप को अंतिम रूप देने में उस पर विचार करेगी।

1. *Short title and commencement.*—1. These rules may be called the Himachal Pradesh Co-operative Societies (Amendment) Rules, 1987.

(2) These shall come into force at once.

2. *Amendment of rule 38.*—For the existing sub-rule (3) of rule 38 of the Himachal Pradesh Co-operative Societies Rules, 1971, the following sub-rule (3) shall be substituted, namely:—

“(3) The term of the managing committees constituted under sub-rule (1) shall be

(a) in relation to primary societies . . . 2 years;

(b) in relation to secondary societies . . . 3 years; and

(c) in relation to apex societies . . . 4 years:

provided that the out-going managing committee shall, unless the State Government otherwise directs, continue to function till another managing committee is constituted under these rules:

Provided further that no person shall be eligible to hold office of President or Vice-President or elected Member of the managing committee continuously for more than two terms, unless a period of two years has elapsed after the expiry of the term of the managing committee in which he last held office of President or Vice-President or elected member".

[Authoritative English text of Government notification No. Co-op. E(11)21/74-IV, dated 20-5-87, is hereby published as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

No. CO-OP-E(11)21/74-IV.—In exercise of the powers conferred by section 109 of the Himachal Pradesh Co-operative Societies Act, 1968 (Act No. 3 of 1969) the Governor, Himachal Pradesh proposes to make the following amendments in the Himachal Pradesh Co-operative Societies Rules, 1971 and the same are hereby published for information of general public and of persons likely to be affected thereby, as required by sub-section (1) of section 109 of the said Act. The notice is hereby given that the said draft amendments will be taken into consideration, on the expiry of thirty days from its publication in the Rajpatra, Himachal Pradesh.

The objections/suggestions, if any, may be addressed to the Secretary (Co-operation) to the Government of Himachal Pradesh, Shimla-171002. Any objections/suggestions, which may be received from any person, with respect to the said amendments before the expiry of the period specified above, shall be duly considered by the State Government.

1. *Short title and commencement.*—(1) These rules may be called the Himachal Pradesh Co-operative Societies (Amendment) Rules, 1987.

2. These shall come into force at once.

2. *Amendment of rule 38.*—For the existing sub-rule (3) of rule 38 of the Himachal Pradesh Co-operative Societies Rules, 1971, the following sub-rule (3) shall be substituted, namely:—

(3) The term of the managing committees constituted under sub-rule (1) shall be—

(a) in relation to primary societies . . . 2 years;

(A) in relation to secondary societies . . . 3 years; and

(c) in relation to apex societies . . . 4 years:

Provided that the out-going managing committee shall, unless the State Government otherwise directs, continue to function till another managing committee is constituted under these rules:

Provided further that no person shall be eligible to hold office of President or Vice-President or elected Member of the managing committee continuously for more than two terms, unless a period of two years has elapsed after the expiry of the term of the managing committee in which he last held office of President or Vice-President or elected member."

By order,
S. S. SIDHU,
Secretary.

शिक्षा विभाग

अधिसूचना

शिमला-171002, 18 जून, 1987

संख्या नं (8)-15/84 शिक्षा-क—हिमाचल प्रदेश के राजपत्रान, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक्त द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, श्रीर हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से, हिमाचल प्रदेश शिक्षा वर्ग-3 (कालेज कैडर) सेवा नियम, 1973 में श्रीर प्रागे संशोधन करने हेतु निम्नलिखित विषय बताते हैं अर्थात्:—

1. *Short title and commencement.*—(1) These rules may be called the Himachal Pradesh Education Class III (College Cadre) Service (First Amendment) Rules, 1987.

(2) These rules shall come into force from the date of their publication in the Rajpatra, Himachal Pradesh.

2. *Amendment of Annexure.*—For entries in columns 7, 8, 10, 11 and 12 against serial No. 7 relating to the post of Junior Lecturer Assistant/Laboratory Assistant, in Annexure to the Himachal Pradesh Education Class III (College Cadre) Service Rules, 1973, the following entries columns 7, 8, 10, 11 & 12 respectively shall be substituted, namely:—

Column 7:	Essential: 10+2 or its equivalent, from a recognised Board/ University with Science in Matriculation.
Column 8:	No
Column 10:	50% by promotion and 50% by direct recruit- ment.
Column 11:	50% by promotion from amongst Laboratory attendants having passed Matriculation in Science with five years service (including <i>ad hoc</i> service rendered up to 31-12-1983) in the grade.
Column 12:	As may be constituted by the Government from time to time.

प्रादेश द्वारा,
हस्ताक्षरित/-
वित्तीयक।

EDUCATION DEPARTMENT NOTIFICATION

Shimla-2, the 18th April, 1987

No. Kha (6)-15/84-Shiksha-Ka.—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution of India and in consultation with the Himachal Pradesh Public Service Commission, the Governor, Himachal Pradesh is pleased to make the following rules further to amend the Himachal Pradesh Education Class III (College Cadre) Service Rules, 1973, namely:—

1. *Short title and commencement.*—(1) These may be called the Himachal Pradesh Education Class III (College Cadre) Service (First Amendment) Rules, 1987.

(2) These rules shall come into force from the date of their publication in the Rajpatra, Himachal Pradesh.

2. *Amendment of Annexure.*—For entries in columns 7, 8, 10, 11 and 12 against serial No. 7 relating to the post of Junior Lecturer Assistant/Laboratory Assistant, in Annexure to the Himachal Pradesh Education Class III (College Cadre) Service Rules, 1973, the following entries columns 7, 8, 10, 11 & 12 respectively shall be substituted, namely:—

Column 7:	Essential: 10+2 or its equivalent from a recognised Board/ University with Science in Matriculation.
Column 8:	No
Column 10:	50% by promotion and 50% by direct recruitment.
Column 11:	50% by promotion from amongst Laboratory, Attendants having passed Matriculation in Science with five years service (including <i>ad hoc</i> service rendered upto 31-12-1983) in the grade.
Column 12:	As may be constituted by the Government from time to time.

By order,
Sd/-
Financial Commissioner

भाग 4—स्थानीय स्वायत्त शासन: म्यूनिसिपल बोर्ड, डिस्ट्रिक्ट बोर्ड, नोटिफाइड और हाऊज एरिया तथा पंचायती राज विभाग
PANCHAYATI RAJ DEPARTMENT

CORRIGENDUM

Shimla-2, the 18th June, 1987

No. PCH-HP (2)-1/83.—Note No. 1 under Rule 6 (Annexure-I) of the Recruitment and Promotion Rules for the post of District Audit Officer, Instructor, Editor-cum-Panchayat Information Officer, Driver and Machine Operator issued vide this Department Notification of even number, dated the 28th February, 1987 shall be substituted with the following:—

The crucial date for determining the age limit should be the first day of the year in which the posts are advertised for inviting applications or notified to

Employment Exchanges as the case may be."

The following shall be inserted after "consultation" (5th line of Rule-17) of the Recruitment and Promotion Rules, for the post of District Audit Officer, Instructor, Editor-cum-Panchayat Information Officer, Driver and Machine Operator issued vide notification of even number, dated the 28th February, 1987:—

"with the H. P. Public Service Commission relax any of the provisions of these rules."

By order,
Sd/-
Secretary.

भाग 5-वैयक्तिक अधिमूचनाएं और विज्ञापन

In the Court of Shri M. R. Chauhan, Senior Sub-Judge exercising the powers of District Judge under Indian Succession Act, District Kinnaur at Kalpa

Parveen Chand s/o Bhim Sain, r/o Village Ribba, Tehsil Moorang, District Kinnaur, H. P., Petitioner.

Versus

General public

Respondent.

Petition u/s 372 of Indian Succession Act, 1925

To
General public.

Whereas the petitioner above named has filed an application for the grant of Succession Certificate in respect of the estate of his father late Shri Bhim Sain.

Notice is hereby given to the general public and the next of the kind of deceased Bhim Sain inviting objections, if any, from them to be filed in the court on or before 9-7-87 at 10 A. M. failing which the petition shall be heard and decided *ex parte*.

Given under my hand and seal of the court this 11th day of June, 1987.

Seal. M. R. CHAUHAN,
Senior Sub-Judge,
Kinnaur district at Kalpa.

HIMACHAL PRADESH FINANCIAL CORPORATION
NEW HIMRUS BUILDING, CIRCULAR ROAD,
SHIMLA-171001

NOTIFICATION

Shimla-1, the 11th May, 1987

No. HPFC/2-139/87-VI.—It is hereby notified for information of the shareholders of this Corporation that in the 14th Special General Meeting of the Corporation held at Shimla on Monday, the 11th May, 1987, the following election took place—

Shri Jagdish Ram Thakua, Director, The Kangra Central Co-operative Bank Ltd., r/o Gagret, Tehsil Amb, District Una was elected as Director on the Board of this Corporation to represent Co-operative Banks who are Shareholders of the Corporation in terms of section 10 of the State Financial Corporations Act, 1951.

K. K. JOSHEE,
Secretary.

ब धरालत श्री हरि सिंह, प्रायुक्त, शिमला मण्डल, शिमला

मुकदमा रैबैयु अपील नम्बर 28/87

श्री सरवती बेवा गंगा राम, जात राजपूत, सकना धमरोघा, परगना गेहड़वी, तहसील बुमारवी, जिला बिनासपुर, बादी।

बनाम

राम लाल, देव राज पिरमाल गोविन्द राम, जात राजपूत, सकना धमरोघा, परगना गेहड़वी, तहसील बुमारवी, जिला बिनासपुर, प्रतिवादी।

रैबैयु रजिजन जेर धारा 17 हि० प्र० भू-राजस्व अधिनियम विरुद्ध प्राप्ते, दिनांक 14-10-1986, ए० कुलैक्टर, सब-डिवीजन बुमारवी, जिला बिनासपुर, हिमाचल प्रदेश।

उपरोक्त मुकदमा में प्रतिवादी नं० 1 श्री राम लाल पुत्र श्री गोविन्द राम, निवासी धमरोघा, परगना गेहड़वी, तहसील बुमारवी,

जिला बिनासपुर, हि० प्र० को समन भेजे गए थे, परन्तु समन बार-बार प्रथम तारीख वापिस आ जाते हैं जिससे यह स्पष्ट प्रतीत होता है कि उनका प्रतीवादी समन लेने से जानबूझ कर घातकी कर रहा है। अतः प्रधान को पूर्ण विवरण हो चुका है कि उक्त प्रतिवादी माहिराग तरीके से हाजिर करवाना कठिन है।

अतः इस इस्तहार जेर धारा 5, सेक् 20, सी० पी० सी० के अन्तर्गत प्रतिवादी को सूचित किया जाता है कि वह उक्त मुकदमा में तारीख 10 जून, 1987 को प्रातः 10 बजे स्थान बुमारवी में प्रमानतन या वकालतन या अन्य अधिकृत व्यक्ति द्वारा हाजिर प्राप्ते अन्यथा कार्यवाही यक्तिका प्रथम में आई जावेगा और उक्त मुकदमे का नियम किया जावेगा।

आज दिनांक 17-6-1987 को मेरे इस्तहार व मोहर प्रधानत में जारी हुआ।

मोहर।

हरि सिंह,
प्रायुक्त।

बधदानत जनाब श्री लक्ष्मी दत्त, नायब-तहसीलदार व प्रख्यारात सब-रजिस्ट्रार, हमीरपुर

मुकदमा नं० 6 प्राक 26-3-87

श्री रणवीर सिंह पुत्र स्व० कमान सिंह, बासी धनूकना, तप्पा बज्जरी, तहसील व जिला हमीरपुर, सायल।

बनाम

आम जनता

ममूलप्रमहम।

वरक्यास्त जेर धारा 40/41 बराप्ते तस्दीक करने वसीयत नामा मुतबकी श्रीमती शान देवी बेवा कमान सिंह पुत्र राम सिंह, बासी धनूकना, तप्पा बज्जरी, तहसील व जिला हमीरपुर।

वसीयत नामा दिनांक 2-11-1986

नाटिम बनाम प्राप्ते जनता।

उपरोक्त विषय पर आम जनता को वज्रिया इस्तहार राजार, हिमाचल प्रदेश से सूचित किया जाता है कि धरार किसी को उपरोक्त वसीयत नामा को जेर धारा 40/41 भारतीय रजिस्ट्रेशन ऐक्ट के तहत रजिस्टर्ड करने में कोई उजर हो ती प्रधानत हुआ में दिनांक 10-7-87 को सुबह 10 बजे प्रमानतन या वकालतन हाजर प्राप्ते। बधदानत दीगर कार्यवाही प्रथम में आई जावेगी।

आज दिनांक 11-6-87 को हमारे इस्तहार व मोहर प्रधानत में जारी हुआ।

मोहर।

लक्ष्मी दत्त,
सब-रजिस्ट्रार, हमीरपुर।

बधदानत जनाब श्री लक्ष्मी दत्त, नायब-तहसीलदार व प्रख्यारात सब-रजिस्ट्रार, हमीरपुर

मुकदमा नं० 11 प्राक 14-5-87

श्रीमती सागरा देवी बेवा दीना नाथ, बासी कुडेडा, तप्पा कुडेडा, तहसील व जिला हमीरपुर, सायल।

बनाम

आम जनता

ममूलप्रमहम।

वरक्यास्त जेर धारा 40/41 बराप्ते तस्दीक करने वसीयत नामा दिनांक 15-3-87 मुतबकी श्री दीना नाथ पुत्र मन्त राम, बासी कुडेडा, तप्पा कुडेडा, तहसील व जिला हमीरपुर।

नॉटिस बनाम धाम जनता

उपरोक्त विषय पर धाम जनता की बजरिया इस्तहार राजपथ, हिमाचल प्रदेश से सूचित किया जाता है कि अगर किसी को उपरोक्त बसीयतनामा की रजिस्ट्रेशन करने में कोई उजर/एतराज हो तो प्रधानतः जवा में दिनांक 10-7-87 को सुबह 10 बजे प्रमानतन या बकालतन हाजर आवे । बसुरत दीगर कार्यवाही प्रमल में लाई जावेगी ।

प्राज दिनांक 11-6-87 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर प्रधानत से जारी हुआ ।

मोहर ।

नरसी दत्त,
मह-रजिस्ट्रार,
हमीपुर ।

PROCLAMATION UNDER ORDER 5 RULE 20, C.P.C.

In the Court of Shri P. C. Sharma, Sub-Judge 1st Class,
Rampur Bushahr, District Shimla. H. P.

Civil Suit No. 119-1 of 1986

Smt. Satya Kumari daughter of Shri Boli Ram, r/o
Village Sanarsa, Tehsil Rampur Bushahr Distt. Shimla.
H. P. Plaintiff.

Versus

Shri Goverdhan Dass s/o Shri Bishan Dass, r/o village
Sanarsa, Tehsil Rampur Bsr. District Shimla. H. P.
Defendant.

Suit for Declaration

To

Shri Goverdhan Dass s/o Shri Bishan Dass, r/o
Village Sanarsa, Tehsil Rampur Bsr. H. P.

Whereas in the above noted suit, it has been proved to the satisfaction of this court that the defendant above named are evading the service of the summons and they cannot be served in the normal course of service.

Hence, this proclamation is hereby issued against you to appear in this court on 15-7-1987 at 10 A. M. personally or through an authorised agent or pleader to defend the suit failing which an *ex parte* proceeding will be taken against you.

Given under my hand and the seal of the court today the 16th June, 1987.

Seal.

P. C. SHARMA,
Sub-Judge 1st Class,
Rampur Bushahr,
Distt. Shimla, H. P.

In the Court of Shri R. L. Sharma, Additional District
Judge, Solan and Sirmaur districts at Nahau, H. P.

Petition No. 15-N/2 of 1987.

I. Smt. Tarawati wd/o Shri Phool Chand son of
Shri Narata Ram, r/o Village Taruwala, Tehsil Paonta,
District Sirmaur, H. P. and others Petitioners.

Versus

General public

Respondents.

Application Under section 372 of Indian Succession
Act for the grant of Succession Certificate.

To

The general public.

Whereas in the above noted case the petitioners have moved an application for obtaining Succession Certificate under section 372 of Indian Succession Act, in respect of the amounts deposited in the State Bank of India, Branch Taruwala, Tehsil Paonta in the name of late Shri Phool Chand son of Shri Narata Ram, r/o Village Taruwala, Tehsil Paonta who died on 28-6-1986 at village Taruwala, Tehsil Paonta.

Notice is hereby given to the general public, kinsmen, relation and other interested persons to file objections, if any, to the grant of such Succession Certificate to the above named petitioners, before this court on or before 17-7-1987 at 10 A. M. at Nahau, failing which the application shall be heard and decided *ex parte*.

Given under my hand and seal of the court this 20th day of June, 1987.

Seal.

R. L. SHARMA,
Addl. District Judge
at Nahau, H. P.

व प्रधानत श्री सीता राम गर्मा, सहायक समाहर्ता/तहसीलदार, कांगडा

व मुकद्मा तस्दीक इन्तकाल नम्बर 406 तबदील मलफियत जेर
पारा 104 (3) भू-सुधार अधिनियम, 1972

बजीर पुत्र जफ, पुत्र गुरबपाल, निवासी घोहलही, मोजा हटवान,
जिला कांगडा

बनाम

बेद नाथ, जूबूबन, रघुपत, हरबंस पुवान गोपाल दास, निवासी
बडमर, जिला हमीपुर

हरगाह मुकद्मा बाला में प्रत्यासीगण बेद नाथ आदि को इस इस्तहार द्वारा सूचित किया जाता है कि इन्तकाल नम्बर 406 तबदील मलफियत बाबत भूमि खाता नम्बर 159 मिन, खतोनी नम्बर 399, खमरा नम्बरान 326, किला 1, तावाही 0-01-12 बनाम बजीर महाल घोहलही दर्ज है यदि उन्हें इस इन्तकाल को फैसला बारे कोई एतराज हो तो वह प्रमानतन व बकालतन तिथि 18-7-87 को इस प्रधानत में हाजर हो कर कर सकता है । बसुरत दीगर एक तरफा कार्रवाई प्रमल में लाई जा कर फैसला इन्तकाल बहक प्राप्ति कर दिया जावेगा ।

प्राज दिनांक 6-6-87 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर प्रधानत से जारी हुआ ।

मोहर ।

सीता राम गर्मा,
सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी,
तहसील कांगडा ।

व प्रधानत श्री सीता राम गर्मा, सहायक समाहर्ता/तहसीलदार, कांगडा

व मुकद्मा तस्दीक इन्तकाल नम्बर 402 तबदील मलफियत जेर
पारा 104 (3) भू-सुधार अधिनियम, 1972

जगत पुत्र खजाना पुत्र पीरा, बामी घोहलही, मोजा हटवान, जिला कांगडा

बनाम

बेद नाथ, जूबूबन, रघुपत, हरबंस पुवान गोपाल दास, निवासी बडमर,
जिला हमीपुर

हरगाह मुकद्मा बाला में प्रत्यासीगण बेद नाथ आदि को इस इस्तहार द्वारा सूचित किया जाता है कि इन्तकाल नम्बर 402 तबदील मलफियत बाबत भूमि खाता नम्बर 159 मिन, खतोनी नम्बर 395, खमरा नम्बर 725 मावम 0-24-14 बनाम जगत महाल घोहलही दर्ज है । यदि उन्हें इस इन्तकाल को फैसला बारे कोई एतराज हो तो वह प्रमानतन व बकालतन तिथि 18-7-87 को इस प्रधानत में हाजर हो कर कर सकता है । बसुरत दीगर एक तरफा कार्रवाई प्रमल में लाई जा कर फैसला इन्तकाल बहक प्राप्ति जगत कर दिया जावेगा ।

आज दिनांक 8-6-87 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर प्रदत्त के जारी हुआ।

मोहर : सीता राम शर्मा,
महायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी,
कांगड़ा।

व प्रदत्त श्री सीता राम शर्मा, महायक समाहर्ता/तहसीलदार, कांगड़ा।

व मुकद्दमा तस्दीक इत्तकाल नम्बर 265 तबदील मलकियत जेर धारा 104 (3) भू-मुधार अधिनियम, 1972.

पंज पुत्र मोहन, निवासी मुनेहड़, तहसील व जिला कांगड़ा।

बनाम

हम राज, प्रबलाश चन्द, हेम राज, कुलदीप चन्द पुत्रन बमल राम, सुरेन्द्र कुमार पुत्र हरबंस लाल, निवासी धर्मशाला, जिला कांगड़ा।

हरगढ़ मुकद्दमा बाला में प्रयाशीगण हम राज धादि को इस इशतहार द्वारा सूचित किया जाता है कि इत्तकाल नम्बर 265 तबदील मलकियत बाबत भूमि खाता नम्बर 217 मिन, खतौनी नम्बर 44, खमरा नम्बरान 1229-1302-1332-1334, किला 4 बनाम पंज महान मुनेहड़ दर्ज है, यदि उन्हें इस इत्तकाल के फैसला बारे कोई एतराज हो तो वह प्रमालतन या बकालतन तिथि 18-7-87 को इस प्रदानत में हाजिर हो कर कर सकता है। बसूरत दीगर यक तरफा कारवाई धमल में लाई जा कर फैसला इत्तकाल बहक प्राप्ति पंज कर दिया जावेगा।

आज दिनांक 6-6-87 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर प्रदानत से जारी हुआ।

मोहर : सीता राम शर्मा,
महायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी,
कांगड़ा।

व प्रदानत श्री सीता राम शर्मा, महायक समाहर्ता/तहसीलदार, कांगड़ा।

व मुकद्दमा तस्दीक इत्तकाल नम्बर 232 तबदील मलकियत जेर धारा 104 (3) भू-मुधार अधिनियम, 1972

श्री महलू पुत्र मालू पुत्र मिनक, निवासी जरीर, तहसील व जिला कांगड़ा।

बनाम

सर्वश्रीमतो लखो, धण्डी, ब्यासा देवी, सत्या देवी पुत्री किरपा, शंकरो देवी, पुत्री दुर्गा, राजन लाल, मन्वी राम, भोनी राम पुत्र मसदी, रुखा, बन्नी चमक पुत्र घोषी, श्रीमती कृता देवी पत्नी उधो राम, साकन जमीर तहसील कांगड़ा।

हरगढ़ मुकद्दमा बाला में प्रयाशीगण श्रीमती लखो धादि को इस इशतहार द्वारा सूचित किया जाता है कि इत्तकाल नम्बर 232 तबदील मलकियत बाबत भूमि खाता नम्बर 127 मिन, खतौनी नम्बर 238, खमरा नम्बरान 53 का 224/240 भाग 0-04-82 बनाम महलू पुत्र मालू महान, जरीर दर्ज है। यदि उन्हें इस इत्तकाल के फैसला बारे कोई एतराज हो तो वह प्रमालतन या बकालतन तिथि 18-7-87 को इस प्रदानत में हाजिर हो कर कर सकता है। बसूरत दीगर यकतरफा कारवाई धमल में लाई जा कर फैसला इत्तकाल बहक प्राप्ति महलू कर दिया जावेगा।

आज दिनांक 6-6-87 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर प्रदानत से जारी हुआ।

मोहर : सीता राम शर्मा,
महायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी,
कांगड़ा।

व प्रदानत श्री सीता राम शर्मा, महायक समाहर्ता/तहसीलदार, कांगड़ा।

व मुकद्दमा तस्दीक इत्तकाल नम्बर 404 तबदील मलकियत जेर धारा 104 (3) भू-मुधार अधिनियम, 1972

नीम पुत्र काहन पुत्र बज्ज निवासी घोहलदी, मोठा हटवाल, जिला कांगड़ा।

बनाम

बेद नाथ, यदुबंश, रघुपत, हरबंस पुत्रन गोपाल राम, निवासी बरहर, जिला हमीरपुर।

हरगढ़ मुकद्दमा उनबान बाला में प्रयाशीगण बेद नाथ धादि को इस इशतहार द्वारा सूचित किया जाता है कि इत्तकाल नम्बर 404 तबदील मलकियत बाबत भूमि खाता नम्बर 159 मिन, खतौनी नम्बर 397, खमरा नम्बर 329 मानस 0-00-86 बनाम नीम, महान घोहलदी दर्ज है। यदि उन्हें इस इत्तकाल के फैसला बारे कोई एतराज हो तो वह प्रमालतन या बकालतन तिथि 18-7-87 को इस प्रदानत में हाजिर हो कर कर सकता है। बसूरत दीगर यकतरफा कारवाई धमल में लाई जा कर फैसला इत्तकाल बहक प्राप्ति नीम कर दिया जावेगा।

आज दिनांक 8-6-87 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर प्रदानत से जारी हुआ।

मोहर : सीता राम शर्मा,
महायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी,
कांगड़ा।

व कार्यालय सब-रजिस्ट्रार, भोरज, जिला हमीरपुर।

जोगिन्दर चन्द बनाम धाम जनता।

उनबान:—प्रार्थना-पत्र बरावे पंजीकृत किये जाने बर्मापत नामा मृतबकी श्री जयगोपाल पुत्र शंकर दाम, गांव मन्वी, तप्पा मेंबा, तहसील भोरज, जिला हमीरपुर, हि0 प्र0।

जेर धारा 40/41 इण्डियन रजिस्ट्रेशन ऐक्ट, 1908

नोटिस बनाम—धाम जनता

उपयुक्त उनबान बाला के बारे में श्री जोगिन्दर चन्द पुत्र उपर्युक्त मृतबकी ने प्रार्थना-पत्र पेश किया है कि उसके पिता जयगोपाल मृतबकी ने बर्मापत नामा दिनांक 17-5-1987 को तहरीर करवाया था उसे पंजीकृत किया जाने। इसलिए इस इशतहार द्वारा धाम जनता को सूचित किया जाता है कि अगर किसी व्यक्ति को इस बर्मापत के पंजीकृत होने में एतराज हो तो वह हमारे न्यायालय हुआ में दिनांक 20-7-87 को प्रातः 10 बजे हाजिर प्रारत पेश करे। अन्यथा बर्मापत नामा पंजीकृत कर दिया जावेगा।

आज दिनांक 8-6-87 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर कार्यालय में जारी हुआ।

मोहर : हस्ताक्षरित:-
सब-रजिस्ट्रार भोरज,
हमीरपुर।

कार्यालय सब-रजिस्ट्रार, भोरज, जिला हमीरपुर

करतार सिंह बनाम धाम जनता।

उनबान:—प्रार्थना-पत्र बरावे पंजीकृत किये जाने बर्मापत नामा मृतबकी श्री रणजीत सिंह पुत्र ब्यानी राम, गांव टिकरी मनहमा, तप्पा मेंबा, तहसील भोरज, जिला हमीरपुर, हि0 प्र0।

जेर धारा 40/41 इण्डियन रजिस्ट्रेशन ऐक्ट, 1908।

नोटिस बनाम—धाम जनता।

उपयुक्त उनबान बाला के बारे में श्री करतार सिंह पुत्र मृतबकी

In the Court of Shri J. L. Chauhan, Sub-Judge 1st Class
Rohru, District Shimla, Himachal Pradesh

**PROCLAMATION UNDER ORDER 5 RULE 20,
C.P.C.**

Case No. 109/1 of 1987

SUCCESSION ACT

1. Smt. Sampati w/o Shri Gopi Chaudhary 2. Smt. Asrupi
w/o Shri Moti Lal both r/o Rohal Tehsil Chirgaon,
District Shimla, H. P. Plaintiff/Petitioner.

versus

General public.

To

The general Public.

Whereas the above named petitioner have filed an application in this court under section 372 of the Indian Succession Act for the grant of Succession certificate in respect of the assets of late Shri Sudershan alias Darshan Dass s/o Shri An Dass, r/o village: Rohal, Tehsil Chirgaon, District Shimla, H. P., who died on 12-1-1987.

Hence this proclamation is hereby issued to the general public of the illaqua and the kins of the deceased to file objections, if any, to the grant of such succession certificate in this court on 30-7-87 at 10.00 A.M. personally or through pleader or any other authorized agent failing which the petition will be heard and disposed of *ex parte*.

Given under my hand and the seal of the Court today on the 18th day of June, 1987.

Seal.

J. L. CHAUHAN,
Sub-Judge 1st Class, Rohru,
District Shimla, H.P.

भाग 6—भारतीय राज्यपत्र इत्यादि में से पुनः प्रकाशन

मूल्य

भाग 7—भारतीय निर्वाचन आयोग (Election Commission of India) की वैधानिक अधिसूचनाएं तथा अन्य निर्वाचन सम्बन्धी अधिसूचनाएं

मूल्य

खनपुरक

मूल्य

भाग-I

निर्वाचन विभाग

अधिसूचनाएं

शिमला-171002, 22 जून, 1987

संख्या 4/11/86-ई०एल०एन०—बैमाकि नगरपालिका नूरपुर के बाई नं० 3 से श्री जैश्री राम मुखुर श्री बृहद् राम के निर्वाचन को श्री धर्मपाल मुखुर श्री नाल चन्द, निवासी बाई नं० 3 नगरपालिका नूरपुर, जिला कांगड़ा, ने निर्वाचन याचिका द्वारा चुनौती दी थी तथा इस विभाग की अधिसूचना संख्या 4-2/75-ई०एल०एन०, दिनांक 23 अगस्त, 1986 द्वारा कथित निर्वाचन याचिका में लगाये गये आरोपों को जांच के लिये जिला एवं सत्र न्यायाधीश (कांगड़ा तथा चम्पा) धर्मशाला को प्रायोग नियुक्त किया था ;

और बैमाकि प्रायोग ने अपनी रिपोर्ट दिनांक 31 मार्च, 1987/4 अगस्त, 1987 द्वारा श्री जैश्री राम को उक्त नगरपालिका के निर्वाचन के दौरान भ्रष्ट आचरण करने के लिये दोषी ठहराया है ;

अतः अब, हिमाचल प्रदेश नगरपालिका (निर्वाचन) नियम, 1970 के नियम 101 का अनुसरण करते हुये, राज्यपाल महोदय, हिमाचल प्रदेश, श्री जैश्री राम मुखुर श्री बृहद् राम को नगरपालिका के निर्वाचन करने के लिये इस अधिसूचना के जारी होने की तिथि से तीन वर्ष की अवधि के लिये अयोग्य घोषित करते हैं ।

शिमला-171002, 22 जून, 1987

संख्या 4-11/86-ई०एल०एन०—बैमाकि नगरपालिका नूरपुर के बाई नं० 3 से श्री जैश्री राम मुखुर श्री बृहद् राम के निर्वाचन को श्री धर्मपाल मुखुर श्री नाल चन्द, निवासी बाई नं० 3, नगरपालिका नूरपुर, जिला कांगड़ा, ने निर्वाचन याचिका द्वारा चुनौती दी थी तथा इस विभाग की अधिसूचना संख्या 4-2/75-ई०एल०एन०, दिनांक 23 अगस्त, 1986 द्वारा कथित निर्वाचन याचिका में लगाये गये आरोपों को जांच के लिये जिला एवं सत्र न्यायाधीश (कांगड़ा तथा चम्पा) धर्मशाला को प्रायोग नियुक्त किया था ;

और बैमाकि प्रायोग ने अपनी रिपोर्ट दिनांक 31 मार्च, 1987 में यह निष्कर्ष दिया है कि उक्त निर्वाचन याचिका में लगाये गये आरोप सिद्ध हो गये हैं ।

अतः अब, हिमाचल प्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1968 की धारा 270 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राज्यपाल महोदय, हिमाचल प्रदेश, प्रायोग द्वारा दी गई जांच रिपोर्ट स्वीकार करते हैं और सर्वत्र आदेश देते हैं कि श्री जैश्री राम का नगरपालिका नूरपुर के बाई नं० 3 से निर्वाचन अवैध घोषित किया जाता है तथा वारी श्री धर्मपाल को 250/- रुपये याचिका का खर्चा प्रतिवादी श्री जैश्री राम द्वारा भुदा किया जाएगा ।

शान्त कुमार चौहान,
सचिव ।

सिचाई एवं जन स्वास्थ्य विभाग

अधिमूचना

जिमला-2, 29 अप्रैल, 1987

3. भूमि का खाका भू-अर्जन समाहर्ता, लोक निर्माण विभाग, चम्बा, हिमाचल प्रदेश के कार्यालय में निरीक्षण किया जा सकता है।

विस्तृत विवरणी

जिला: चम्बा

तहसील: भटिवाल

गांव	खमरा सं०	क्षेत्र			चम्बा
		बी०	बि०	दिम्बा	
1	2	3	4	5	
कुई	40/1	0	1	0	
किता ..	1	0	1	0	

आदेश द्वारा,
प्र० कु० महोपाय,
सचिव।

संख्या सिचाई 11-32/85-चम्बा—यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि सरकारों के व्यवसाय पर सार्वजनिक प्रयोजन नामतः ग्राम कुई, तहसील भटिवाल, जिला चम्बा में बाटर मण्डाई स्कीम हाथी घाट के निर्माण के लिए भूमि ली जाती प्रपेक्षित है। अतएव एतद्द्वारा यह घोषित किया जाता है कि निर्माणाधीन विस्तृत विवरणों में वर्णित भूमि उपर्युक्त प्रयोजन के लिए अर्पित है।

2. भूमि अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा 6 के उपबन्धों के अधीन सभी सम्बन्धित व्यक्तियों के लिए यह घोषणा की जाती है और उक्त अधिनियम की धारा 7 के उपबन्धों के अधीन भूमि अर्जन समाहर्ता, हिमाचल प्रदेश लोक निर्माण विभाग, चम्बा को एतद्द्वारा उक्त भूमि के अर्जन के लिए आदेश देने का निर्देश दिया जाता है।

